

Topic: - गाँधी जी का समकालीन महत्व

महत्मा गाँधी जी केवल भारत के ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणाश्रोत रहे हैं। उनका जीवन, विचार और कर्म आज भी समाज, राजनीति, शिक्षा, धर्म और संस्कृति के हर क्षेत्र में प्रासंगिक हैं। आधुनिक युग की हिंसा, स्वार्थ, अन्याय और असमानता से ग्रस्त दुनिया के लिए गाँधी जी के विचार मार्गदर्शक हैं।

→ गाँधी जी के विचारों की मौलिकता -

गाँधी जी के विचार किसी एक पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित नहीं थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति, गीता, जैन और बौद्ध दर्शन से प्रेरणा लेकर सत्य, अहिंसा, प्रत्यक्ष, अपरिग्रह और सेवा जैसे सिद्धांतों को अपने जीवन में आया। उनका जीवन ही उनके विचारों की प्रयोगशाला था।

→ सत्य और अहिंसा का महत्व: -

गाँधी जी के अनुसार सत्य ही ईश्वर है और अहिंसा उसका साधन। आज के युग में जब हिंसा और असहिष्णुता बढ़ रही है, तब गाँधी जी का संदेश शांति, प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना को पुनर्जीवित करता है।

→ सत्याग्रह की प्रासंगिकता -

गाँधी जी ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का अहिंसक मार्ग सत्याग्रह को सीखाया। यह आज भी सामाजिक परिवर्तन का एक प्रभावशाली माध्यम है जो हमें शान्तिपूर्ण तरीके से विरोध जताना सिखाता है।

→ धर्म-निषेधता और सर्वधर्म समभाव: -

गाँधी जी का "सर्वधर्म समभाव" बहुधर्मीय समाज में एकता और सहभाव बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

→ श्रम की गरिमा -

गाँधी जी स्वयं श्रम को पूजा मानते थे। उनका मानना था कि हर व्यक्ति को अपनी अजिबिका के लिए श्रम करना चाहिए, इससे आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की भावना उत्पन्न होती है।